सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 285 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 23 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

-धीरूभाई अंबानी

विराट की लंबी छलांग, तीसरे नंबर... 7 | राजस्थान में गुर्जर वोट भी होंगे... 3 | और तेज होगी बिहार को विशेष राज्य... 2

राजस्थान में कांग्रेस-बीजेपी के वार-पलटवार के बाद थमा चुनावी प्रचार

» सीएम गहलोत ने पीएम पर साधा निशाना, कहा- बस साजिश करते हैं

» गृहमंत्री शाह बोले- खत्म होने वाली है जादूगरी

» 25 दिसंबर को होगा मतदान

» 3 दिसंबर को होगी मतगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए प्रचार का आज (23 नवंबर) को आखिरी दिन है। जनता को लुभाने के आखिरी मौके को आजमाते हुए सभी पार्टियों के दिग्गज नेता प्रदेश के दौरे पर हैं। कांग्रेस व बीजेपी एक दूसरे पर वार-पलटवार कर रही हैं। सीएम गाहलोत, सचिन पायलट जहां मोदी व शाह को सभी चुनावी मंचों पर घेर रहे हैं वहीं बीजेपी के कई दिग्गज राजस्थान को मथकर गहलोत कोस रहे हैं।

दरअसल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार थम जाएगा। इस तरह 23 नवंबर को शाम छह बजे से 25 नवंबर को मतदान समाप्ति अवधि शाम छह बजे तक यह प्रभावी रहेगा। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का शोर बृहस्पतिवार शाम को थम जाएगा। राज्य में 25 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भाजपा में माना जा रहा है।

राजस्थान में होगा परिवर्तन : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जयपुर में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि पूरे राजस्थान का दौरा करने के बाद मैं विश्वास के साथ

बताना चाहता हूं कि राजस्थान में अगली सरकार भाजपा की सरकार बन रही है। पूरे राजस्थान के हर कोने में जनता ने परिवर्तन का मूड बनाया हुआ है और हर क्षेत्र में विफल और नाकाम कांग्रेस सरकार को विदाई देने के लिए राजस्थान के लोगों ने अपना मन बना लिया है। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा लगभग 9 हजार किलोमीटर चली। हर गांव में हमने लोगों से संपर्क करने का प्रयास किया। 200 विधानसभाओं तक पहुंचे। अमित शाह ने आगे कहा कि राजस्थान ने हमेश मोदी जी के साथ खड़े होकर भाजपा का समर्थन किया है। 2014 और 2019 दोनों चुनाव में सभी की सभी सीटें भाजपा के खाते में देकर मोदी जी के प्रति अपना विश्वास राजस्थान के लोगों ने व्यक्त किया है।

गहलोत-पायलट में कौन ज्यादा निकम्मा, इस पर जंग जारी : हिमंत बिस्वा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को लेकर एक विवादित बयान दिया है। असम सीएम का कहना है कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अलग प्रकार की प्रतियोगिता चल रही है। दोनों में मुकाबला है कि सबसे बड़ा निकम्मा कौन है। हिमंत बिस्वा सरमा ने विवादित बयान दिया कि अशोक गहलोत कहते हैं सचिन पायलट निकम्मे हैं, वहीं, सचिन पायलट यही बात मुख्यमंत्री गहलोत के लिए कहते हैं, इसमें हम क्या कमेंट कर सकते हैं?

केवल भड़का रही बीजेपी : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करना चाहती थी। छत्तीसगढ़ के सीएम की गिरफ्तारी की पूरी प्लानिंग हो चुकी थे लेकिन उससे पहले ही पर्दाफाश हो गया है। बीजेपी षड्यंत्र के तहत भूपेश बघेल को गिरफ्तार करना चाहती थी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इतने छापे मारे गए क्या किसी राजनेता को गिरफ्तार किया गया। हमारी सरकार ने कितने ही काम किए हैं, अगर बीजेपी को कुछ बताना ही है तो हमारी योजनाओं में कमी बतानी चाहिए। केवल भड़काने की राजनीति हो रही है। सीएम गहलोत ने कहा कि जनता को भड़काने का इनका अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कन्हैया कुमार की हत्या करने वाले भाजपा कार्यकर्ता थे, उन पर कई मामले थे भाजपा नेताओं ने उनकी मदद करी। आज समाचार पत्रों में कांग्रेस को बदनाम करने का काम बीजेपी कर रही है, आपको याद होगा कि इनके समय में जयपुर में सीरियल ब्लास्ट हुआ था.घंटे का समय लग सकता है। जबकि दूसरी तरफ अन्य सूत्रों के हवाले से इससे पहले ही कभी भी अच्छी खबर मिल सकती है।

समलैंगिक विवाह मामला फिर सुप्रीम चौखट पर

» फैसले की समीक्षा की मांग, कोर्ट में दायर हुई पुनर्विचार याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह मामले में दिए गए फैसले की समीक्षा की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई है। बता दें कि 17 अक्टूबर के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था। अब उस फैसले की समीक्षा के लिए एक याचिकाकर्ता ने पुनर्विचार याचिका दायर की है।

याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी कोर्ट में पेश हुए।

याचिका पर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली पीठ ने सबमिशन लिया। मुकुल रोहतगी ने मांग की कि समीक्षा याचिका की खुले कोर्ट में सुनवाई होनी चाहिए ताकि समलैंगिक विवाह की मांग करने वाले लोगों की शिकायतों का निवारण हो सके। समीक्षा याचिका पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मैंने अभी तक याचिका को नहीं देखा है। पहले मुझे इसे पीठ के

टनल में फंसे श्रमिक बाहर आने के करीब

» रेस्क्यू ऑपरेशन में लगेगा 12 से 14 घंटे का समय

» पीएम मोदी ने सीएम से की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। सीएम धामी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज फोन कर सिलक्यारा, उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों एवं प्रदेश प्रशासन के समन्वय से युद्ध स्तर पर संचालित राहत एवं बचाव कार्यों में हो रही प्रगति से पीएम मोदी को अवगत कराया।

बताया कि प्रधानमंत्री को मौक़े पर श्रमिकों के उपचार व देखभाल के लिए चिकित्सकों की टीम, एम्बुलेंस, हेली सेवा एवं अस्थायी हॉस्पिटल की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने एवं किसी भी इमरजेंसी की स्थिति में एम्स ऋषिकेश में चिकित्सकों को तैयार रहने के निर्देश दिए जाने की जानकारी भी दी। वहीं पीएमओ के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने बताया कि अभी रेस्क्यू ऑपरेशन में 12 से 14 घंटे का समय लग सकता है। जबकि दूसरी तरफ अन्य सूत्रों के हवाले से इससे पहले ही कभी भी अच्छी खबर मिल सकती है।

सीएम धामी और मंत्री वीके सिंह ने लिया सुरंग का जायजा

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह के बाद अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जायजा लिया। वे उत्तरकाशी पहुंचे। दोनों ही सुरंग के भीतर जायजा लेकर बाहर लौट आए हैं।

और तेज होगी बिहार को विशेष राज्य बनाने की मांग : नीतीश

» बिहार कैबिनेट ने पास किया प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार कैबिनेट की बैठक में दो महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। पहले बिहार में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा और पिछड़ा वर्ग के आरक्षण संशोधन विधेयक को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने के लिए केंद्र से आग्रह किया गया जिससे न्यायिक समीक्षा ना हो, दूसरा ये कि एक बार फिर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया। सीएम नीतीश कुमार ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने की पुन: मांग की।

देश में पहली बार बिहार में जाति आधारित गणना का काम कराया गया है। जाति आधारित गणना के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति के आंकड़ों के आधार पर अनुसूचित जाति के लिये आरक्षण सीमा को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षण की सीमा को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षण की सीमा को 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तथा पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षण की सीमा को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के लिये आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये 10 प्रतिशत आरक्षण पूर्ववत लागू रहेगा अर्थात इन सभी वर्गों के लिए कुल आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है।

रघुराम राजन कमेटी की सिफारिश पर ध्यान दे केंद्र

यदि केन्द्र सरकार द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाय तो हम इस काम को बहुत कम समय में ही पूरा कर लेंगे। हमलोग बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग वर्ष 2010 से ही कर रहे हैं, इसके लिए 24 नवम्बर, 2012 को पटना के गाँधी मैदान में तथा 17 मार्च, 2013 को दिल्ली के रामलीला मैदान में बिहार को विशेष राज्य के दर्जे के लिए अधिकार रैली भी की थी। हमारी माँग पर तत्कालीन केन्द्र सरकार ने इसके लिए रघुराम राजन कमेटी भी बनाई थी जिसकी रिपोर्ट सितम्बर, 2013 में प्रकाशित हुई थी परन्तु उस समय भी तत्कालीन केन्द्र सरकार ने इसके बारे में कुछ नहीं किया।

बड़े व छोटे भाई की सरकार ने बिहार के लोगों का हक मारने का किया काम : मांझी

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हाथी के दिखाने के दांत अलग होते हैं और खाने के अलग। यही हाल सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का है। जातीय गणना को पूरा कराने से लेकर आरक्षण के संबंध में सबकी सहमति थी। अब उसका अकेले श्रेय मुख्यमंत्री लेना चाह रहे हैं जो हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि बड़े भाई व छोटे भाई की सरकार ने बिहार के लोगों का हक मारने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने हर मर्यादा को तार-तार कर दिया है। उन्होंने महिलाओं के लिए जो बयान दिया उसे दोहराया नहीं जा सकता। उनके बयान से पूरा देश शर्मसार है। उनके साथ भी जिस भाषा का उन्होंने प्रयोग किया वह उनकी छोटी मानसिकता को दर्शाता है। जीतन राम मांझी ने कहा,मेरी उम्र 80 वर्ष है और उनसे बड़ा हूं। उनसे पहले से विधायक हूं। शिक्षा में भी डिग्री उनसे पहले ली। बावजूद उन्होंने जिस अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया वह निंदनीय है। घमंडिया गठबंधन के नेता ने महिलाओं व दलितों का अपमान किया है।

मणिपुर मामले का हो राजनीतिक हल : कलिता

» समुदायों के बीच तीव्र ध्रुवीकरण के कारण पूर्वोत्तर राज्य में छिटपुट हिंसा की घटनाएं जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना के पूर्वी कमान के प्रमुख का कहना है कि मणिपुर समस्या का राजनीतिक समाधान किया जाना चाहिए। पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने गुवाहाटी में मीडिया को बताया कि समुदायों के बीच तीव्र ध्रुवीकरण के कारण पूर्वोत्तर राज्य में छिटपुट हिंसा की घटनाएं जारी हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में ये एक राजनीतिक समस्या है जहां कुकी और मैतेई समाज के लोग आपस में भिड़ रहे हैं, ऐसे में मणिपुर की समस्या का राजनैतिक समाधान होना जरूरी है, राणा प्रताप कलिता ने कहा कि लूटे गए 4,000 से अधिक हथियार अभी भी लोगों के हाथ में हैं और इन हथियारों का इस्तेमाल हिंसा की घटनाओं में किया जा रहा है।

बता दें कि उनकी यह टिप्पणी एक सुरक्षाकर्मी और उसके ड्राइवर की हत्या के विरोध में मणिपुर के कांगपोकपी जिले में 48 घंटे के बंद के बीच आई है। सोमवार को घात लगाकर किए गए हमले में इंडिया रिजर्व बटालियन के एक कर्मी और उसके ड्राइवर की मौत हो गई थी। इसके बाद ही बंद का आह्वान करने वाली जनजातीय एकता समिति ने कहा है कि पीड़ित कुकी समुदाय से थे और उन्होंने घाटी स्थित विद्रोही समूहों पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है।

सच्चाई सामने लाने के लिए ईडी-सीबीआई की जांच जरूरी: आतिशी

» मुख्य सचिव नरेश कुमार पर घोटाले का आरोप, मंत्री ने सीएम केजरीवाल को सौंपी एक और रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेसवे जमीन अधिग्रहण भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार की मुश्किल कम होती नहीं दिख रही हैं। अब इस मामले में दिल्ली की विजिलेंस मंत्री आतिशी ने सीएम केजरीवाल को एक और सप्लीमेंट्री रिपोर्ट सौंपी है, इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य सचिव नरेश कुमार ने डीएम के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया है।

बता दें कि इस भ्रष्टाचार को लेकर कुछ दिन पहले सीएम केजरीवाल ने उप-राज्यपाल को रिपोर्ट भेजी थी। लेकिन उप-राज्यपाल ने इस रिपोर्ट पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए कहा था कि मुख्य सचिव ने डीएम के खिलाफ कार्रवाई की और आतिशी की रिपोर्ट पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। आतिशी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को भेजे गए अपने एक और रिपोर्ट में कहा है कि मुख्य सचिव ने सारे तथ्य जानते हुए भी डीएम को निलंबित नहीं किया है।

खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने गए थे पीएम

» जडेजा की पत्नी रीवाबा ने की मोदी की तारीफ

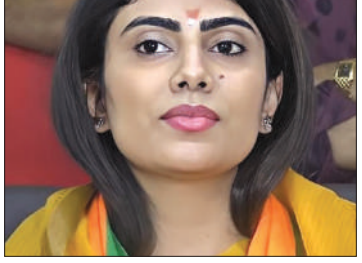

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भाजपा विधायक और क्रिकेटर रवींद्र जड़ेजा की पत्नी रीवाबा जाडेजा ने अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में जाकर खिलाड़ियों को सांत्वना देने और उनका मनोबल बढ़ाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की है। गुजरात के जामनगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली रिवाबा जड़ेजा ने एक ट्वीट में कहा कि ड्रेसिंग रूम में प्रधानमंत्री की मौजूदगी उनकी दयालु राजनेता क्षमता को दर्शाती है।

उन्होंने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों का अभिवादन और सांत्वना देते हुए पीएम मोदी का एक वीडियो भी संलग्न किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का अटूट नेतृत्व जीत और हार के क्षणों में चमकता है। विश्व कप हार के बाद ड्रेसिंग रूम में उनकी उपस्थिति दयालु राजनेता कौशल, प्रोत्साहन और एकता के शब्दों के साथ आत्माओं को ऊपर उठाने को दर्शाती है। रिवाबा जड़ेजा अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे, जहां भारत और ऑस्ट्रेलिया 19 नवंबर को अपना विश्व कप फाइनल खेल रहे थे।

राहुल की शब्दावली से कांग्रेस खो रही अस्तित्व : बीडी शर्मा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा पनौती कहे जाने पर अब मध्य प्रदेश में भी सियासी घमासान शुरू हो गया है, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जहां पनौती को एक नकारात्मक शब्द बताते हुए पीएम मोदी पर तंज कसा है, वहीं बीजेपी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने राहुल गांधी को मंदबुद्धि बता दिया है। बीजेपी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आगे कहा कि कांग्रेस आज अपना अस्तित्व खो रही है, इसका एक बड़ा कारण राहुल गांधी और उनकी शब्दावली है। बता दें कि मध्य प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी को बेहद आपत्तिजनक कहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर राहुल गांधी ने जिस शब्द का प्रयोग किया है, वह उनकी मंदबुद्धि को दर्शाता है। शर्मा ने फिर कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि आज पूरी दुनिया में भारत का मान सम्मान बढ़ा है। वहीं दुर्भाग्य है कि ऐसे महान व्यक्तित्व पर घटिया टिप्पणी करके राहुल गांधी ने एक बार फिर अपनी ओछी राजनीति का प्रदर्शन कर संपूर्ण देशवासियों का अपमान किया है।

मैं अमेठी नहीं गया इसलिए हारे राहुल : ओवैसी

» वायनाड में 35 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेलंगाना। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी ने कांग्रेस के वोट बैंक को लेकर राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा,..हम नहीं गए तो वे (राहुल गांधी) अमेठी हार गए, जाते तो क्या होता? राहुल गांधी वायनाड में इसलिए जीते क्योंकि वहां पर उन्हें 35 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिला। कांग्रेस के पास आज अगर कोई वोटर बचा है तो मुस्लिम आबादी बची है इसलिए जब एआईएमआईएम पार्टी अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात करती है तो कांग्रेस पार्टी हमसे परेशान होती है...।

आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आगे राहुल गांधी को लेकर अमेठी में कांग्रेस के प्रदर्शन पर कटाक्ष करते हुए कहा, हम नहीं गए और वे अमेठी में हार गए तो अगर हम जाएंगे तो क्या वे इतना रोना नहीं रोएंगे? हम नहीं गए और स्मृति ईरानी ने उन्हें हरा दिया...वे अपना बचाव नहीं कर पाए। एआईएमआईएम प्रमुख ने राहुल गांधी को लेकर कहा, वे अपने परदादा, दादी और पिता की सीट नहीं बचा पाए। असदुद्दीन ओवैसी के भाई नेता अकबरुद्दीन ओवैसी के विडियो जिसमें पुलिस उनको समय का हवाला देते हुए भाषण रोकने के लिए कहती है और अकबरुद्दीन ओवैसी पुलिसकर्मी को धमकाते नजर आते हैं। इस सवाल पर सफाई देते हुए एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यदि समय रात 10:01 बजे था, तो आपको हमें रोकने का पूरा अधिकार है। जब पांच मिनट बचे थे तो वह मंच पर क्यों आए?... कानून अनुमति दे रहा है और आप हमें पांच मिनट पहले इसे रोकने के लिए कहते हैं? यह कैसा व्यवहार है? कोई पांच मिनट में बहुत कुछ कह सकता है। एक वक्ता के लिए, प्रारंभिक और समापन वक्तव्य महत्वपूर्ण है।

एक वक्ता पांच मिनट में बहुत कुछ कह सकता है

अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

एआईएमआईएम के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ चुनाव प्रचार के दौरान एक पुलिस इंस्पेक्टर को खुलेआम धमकाने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ है। असदुद्दीन ओवैसी के छोटे भाई अकबरुद्दीन पर धारा 353, 153(ए), 506, 505(2) और आरपी एक्ट की धारा 125 के तहत संतोषनगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की ह। उन्होंने मंगलवार (21 नवंबर) तो हैदराबाद के ललितबाग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते वक्त ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस इंस्पेक्टर को धमकी दी थी और उसे वहां से चले जाने को कहा. न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक पुलिस इंस्पेक्टर ने उनसे आदर्श आचार संहिता के तहत समय पर मीटिंग खत्म करने को कहा था। धारा 353 तहत किसी भी लोक सेवक पर ड्यूटी के दौरान हमाल या आपराधिक बल का प्रयोग करना दंडनीय है। इसके तहत 2 साल की सजा या जुर्माना दोनों है। यह गैर जमानती होता है।

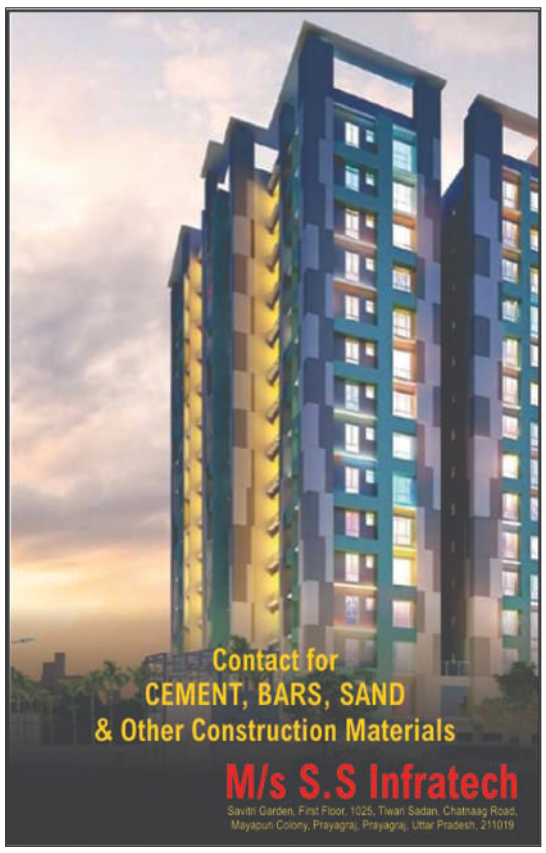

राजस्थान में गुर्जर वोट भी होंगे निर्णायक

इसबार नाराजगी की खबरें, बीजेपी उठा सकती है लाभ

- 2018 में कांग्रेस का किया था समर्थन
- पायलट का उन पर है जोरदार असर
- कांग्रेस से नाराज हैं गुर्जर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग दबाव विंदु चुनाव में प्रभाव डाल रहे है। इसबार चूकि टक्कर में बीजेपी हावी हो रही है पर कांग्रेस भी कम नही है। सीएम अशोक गहलोत पूरी ताकत के साथ कांग्रेस की सत्ता को बरकरार रखना चाहते हैं। पर जैसा की वहां की परंपरा रही है कि जो सरकार होती है वह वापस नही आती है। पायलट व गहलोत इस मिथ को तोड़ने की कवायद में जुटे हैं। जातियां जहां अपने-अपने वोटों से यहां के चुनावी समीकरण को प्रभावित करेंगे वंही गुर्जरों को वोट भी इस बार फिर अहम होने वाला है।

हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि ये वोटर कांग्रेस नाराज हैं पर वी बीजेपी के समर्थन में हैं ऐसा कहना भी जल्दबाजी होगा। दरअसल, राजस्थान में दावा किया जा रहा है कि गुर्जर समाज कांग्रेस से पूरी तरीके से नाराज है। राजस्थान में करीब 50 विधानसभा सीटों पर गुर्जर समाज के पकड़ है। 2018 में गुर्जर समाज ने कांग्रेस के पक्ष में बढ़-कर कर वोट दिया था। इसका बड़ा कारण यह था कि गुर्जरों को यह लगा था कि कांग्रेस की ओर से सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उस समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ही थे। राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होने हैं। 3 दिसंबर को इसके नतीजे होंगे। राजस्थान में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। दोनों ही दल अपने-अपने हिसाब से जातीय समीकरण को साधने की पूरी कोशिश में हैं। हालांकि, राजस्थान में कांग्रेस के लिए एक चुनौती इस वक्त बड़ी बनती हुई दिखाई दे रही है और यह चुनौती गुर्जर समाज के वोट बैंक को अपने साथ रखने की है।

राजस्थान में दावा किया जा रहा है कि गुर्जर समाज कांग्रेस से पूरी तरीके से नाराज है। राजस्थान में करीब 50 विधानसभा सीटों पर गुर्जर समाज के पकड़ है। 2018 में गुर्जर समाज ने कांग्रेस के पक्ष में बढ़-कर कर वोट दिया था। इसका बड़ा कारण यह था कि गुर्जरों को यह लगा था कि कांग्रेस की ओर से सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उस समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ही थे। सचिन पायलट ने जमीन पर पार्टी के लिए काफी काम किया था। लेकिन जब सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो कहीं ना कहीं गुर्जरों में जबरदस्त नाराज की देखने को मिली। 2018 के चुनावों में, कांग्रेस ने 11 गुर्जर उम्मीदवार उतारे और उनमें से आठ विजयी हुए थे।

बसपा ने पहली सूची 9 अक्टूबर को की थी जारी

9 अक्टूबर को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के दिन बहुजन समाज पार्टी ने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की थी। जिसमें 5 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए थे। इसके बाद प्रत्याशियों की एक और लिस्ट जारी की गई जिनमें इनमें डीग कुम्हेर से हरिओम शर्मा, तिजारा से इमरान खान, बानसूर से मुकेश यादव, बयाना रूपवास से मदन मोहन भंडारी और दौसा से रामेश्वर बिनयाना गुर्जर का नाम शामिल किया गया। इससे पहले पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा द्वारा 5 प्रत्याशियों के नाम पूर्व में ही जारी कर दिए गए थे। इनमें धौलपुर से रितेश शर्मा, नगर से खुर्शीद अहमद, नदबई से खेमकरण तैली, करौली से रविंद्र मीणा और खेतड़ी से मनोज घुमरिया को चुनाव मैदान में उतारा गया था। पार्टी की ओर से अब तक तीन प्रत्याशियों के नाम बदले गए हैं।

गुर्जरों को रिझाने में लगी बीजेपी

गुर्जरों की महत्ता को देखते हुए इस वक्त बीजेपी और कांग्रेस में इस समाज को साधने की पूरी कोशिश हो रही है। भाजपा ने जहां 10 गुर्जर उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है तो वहीं कांग्रेस ने 11 को टिकट दिया है। 2018 में कांग्रेस के 8 गुर्जर विधायक चुने गए थे। भाजपा कहीं ना कहीं गुर्जर समाज के वोट बैंक को लेकर पूरी तरीके से सक्रिय नजर आ रही है। साथ ही साथ सचिन पायलट को भी उनके गढ़ में घेरने की तैयारी में है। इस वक्त देखे तो गुर्जर समाज खुलकर भाजपा का समर्थन कर रहे हैं और यह खुद कांग्रेस पार्टी के नेताओं को भी पता चलने लगा है। यही कारण है कि कहीं ना कहीं भाजपा के बड़े नेताओं के निशाने पर सचिन पायलट की तुलना में अशोक गहलोत ज्यादा है। इस बार गुर्जर बेल्ट में खासकर पूर्वी राजस्थान में बीजेपी की उम्मीदें ज्यादा बढ़ी हुई हैं। भाजपा की ओर गुर्जर के झुकाव का एक कारण यह भी है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल जनवरी में गुर्जरों के देवता देवनारायण के 1,111वें अवतरण महोत्सव के असवर पर भीलवाड़ा में एक कार्यक्रम को संबोधित किया था।

पायलट को देना पड़ेगा तव्वजो

कांग्रेस आलाकमान के लिए राजस्थान की चुनौती पिछले तीन-चार सालों से सिर दर्द की स्थिति बनी हुई है। सचिन पायलट समेत 2020 में 18 विधायकों ने गहलोत सरकार से विद्रोह कर दिया था। सरकार को भी खतरा दिखाई देने लगा था। हालांकि कहीं ना कहीं आलाकमान की सक्रियता से सरकार बच गई और पायलट भी पार्टी में बने रहे। लेकिन अशोक गहलोत जो चाहते थे वही हुआ। सचिन पायलट को सबसे पहले उपमुख्यमंत्री पद से हटाया गया। इसके बाद उन्हें प्रदेश अध्यक्ष से भी हटा दिया गया। इस कदम ने भी गुर्जर मतदाताओं को कांग्रेस से दूर किया है। जिस तरह गहलोत के निशाने पर पायलट रहे हैं उसने भी गुर्जरों को कांग्रेस से दूर किया है। यही कारण है कि भाजपा गुर्जरों को साधने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना कर रही है। इन सबके बीच गुर्जर बहुल इलाकों में सचिन पायलट की मांग लगातार बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। कांग्रेस के नेताओं की ओर से सचिन पायलट को प्रचार में बुलाया जा रहा है। पायलट परिवार के गढ़ माने जाने वाले दौसा के मित्रपुरा का एक गुर्जर परिवार कांग्रेस से 2018 में जीत के बाद पायलट की बेइज्जती का बदला लेने की बात कह रहा है।

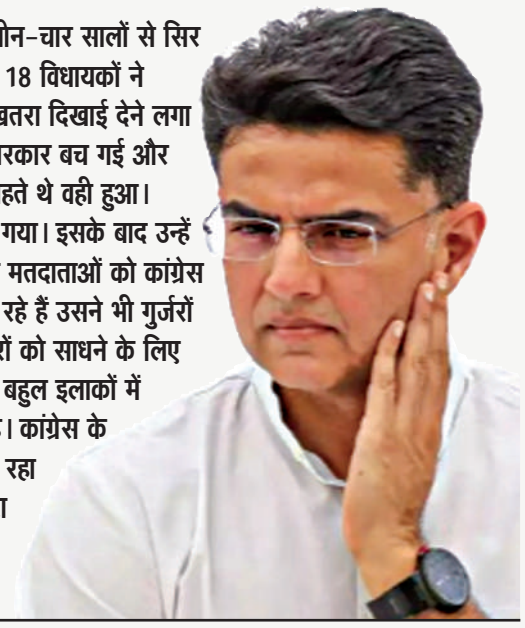

बसपा भी बिगाड़ सकती है खेल

राजस्थान में बीएसपी फिर कोई खेला करेगी? ऐसा चुनावी रणनीतिकार कह रहे । बसपा सुप्रीमों मायवती व उनके भतीजे वहां पर बहुत सक्रिय है। बहुजन समाज पार्टी ने राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए प्रदेश की सभी 200 सीटों पर प्रत्याशी उतारे। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने पार्टी सुप्रीमो बहन मायावती के निर्देश से 43 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए उससे दो दिन पहले भी 44 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए। बसपा कई मजबूत लोगों को चुनाव में उतारा जो बीजेपी व कांग्रेस दोनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जैसे मुंडावर से पृथ्वीराज, गोगुंदा से दलपत गरासिया, झाड़ोल से

निम्बाराम भील, सलूंबर से कन्हैयालाल मीणा, उदयपुर ग्रामीण से खेमराज कटारा, भीम से हुकमा राम, नाथद्वारा से बाबूलाल सालवी, कुंभलगढ़ से नारायण लाल, प्रतापगढ़ से कमल मीणा, आसपुर से दिलीप मीणा, चौरासी से विजय पाल रोत, घाटोल - बाबूलाल गणावा, गढी से सूर्य लाल खाट, कुशलगढ से हरेंद्र निनामा, मारवाड़ जंक्शन से गजराज कंवर, भादरा से रामनाथ शर्मा, लाडनूं से नियाज मोहम्मद, पोकरण से तुलसा राम, धोद से कालूराम मेहरड़ा और तारानगर से छोटूराम शामिल हैं। 21 अक्टूबर को बसपा ने 10 प्रत्याशियों की सूची जारी की थी। जिसमें भरतपुर से गिरीश चौधरी, आमेर से मुकेश शर्मा, का मां से शकील खान, महुवा से बनवारी लाल मीणा, टोडाभीम से रामसिंह मीणा, सपोटरा से कल्लू उर्फ विजय, गंगापुर से रामलाल मीणा, नीमकाथाना से गीता सैनी और हिंडौन से अमर सिंह सैनी चुनाव मैदान में उतारा है। पूर्व में घोषित बांदीकुई सीट से भवानी सिंह के स्थान पर उमेश शर्मा तो टिकट दिए जाने का ऐलान किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बच्चों पर अपनी उम्मीदें न थोंपे अभिभावक

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे छात्रों द्वारा निराश होकर आत्म हत्या की बढ़ती घटनाओं के लिए अदालत ने कोचिंग सेंटर को दोषी नहीं माना बल्कि माता-पिता को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा है कि उम्मीदें बच्चों को जान देने के लिए मजबूर कर रही है। इस टिप्पणी के बाद अभिभावकों को सोचना होगा कि अपनी बातें अपने बच्चों पर न थोंपे। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी मुख्य रूप से राजस्थान के कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याओं को लेकर की है। इस साल अब तक कोटा के अलग-अलग कोचिंग संस्थानों में 24 छात्रों के सुसाइड की खबरें आई हैं। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली दो जजों की बेंच ने प्राइवेट कोचिंग सेंटर को रेगुलेट करने और उनके लिए एक स्टैंडर्ड तय करने के लिए कानून बनाने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए ये टिप्पणी की। अदालत ने कहा, समस्या अभिभावकों की है, कोचिंग संस्थानों की नहीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये नीतिगत मामला है, बच्चे अपने मां-बाप की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, जिस वजह से वो आत्महत्या कर रहे हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा और उनके अभिभावकों का दबाव आत्महत्या के बढ़ते मामलों की वजह है।

अदालत मुंबई के डॉक्टर अनिरुद्ध नारायण मालपानी की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया है कि कोचिंग सेंटर छात्रों को अपने फायदे के लिए तैयार करके मौत के मुंह में धकेल देते हैं। बेंच ने कहा, कि हममें से ज्यादातर लोग कोचिंग संस्थान नहीं चाहते, लेकिन आजकल परीक्षाएं इतनी प्रतिस्पर्धात्मक हो गई हैं और छात्र आधे या एक नंबर से परीक्षा में फेल हो जाते हैं. वहीं, माता-पिता को भी बच्चों से काफी उम्मीदें रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सुझाव दिया कि वह मामले में या तो राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाए, क्योंकि याचिका में जिन आत्महत्याओं की घटनाएं का जिक्र है, उनमें अधिकतर कोटा से संबंधित हैं या फिर केंद्र सरकार को एक रिप्रेजेंटेशन दे। हम इस मुद्दे पर कानून कैसे बना सकते हैं? इस पर वकील प्रिया ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। उन्होंने संकेत दिया कि याचिकाकर्ता एक रिप्रेजेंटेशन पेश करना चाहेगा। इस अदालती टिप्पणी के बाद सरकारों को कुछ ऐसी शैक्षिक व्यवस्था लानी होगी जिससे माता-पिता भी दबवा में न आएं और अपने बच्चों पर दबाव डालने लगे । प्रतियोगी परीक्षाओं के फार्मेट का सरलीकरण करना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी मुख्य रूप से राजस्थान के कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याओं को लेकर की है। इस साल अब तक कोटा के अलग-अलग कोचिंग संस्थानों में 24 छात्रों के सुसाइड की खबरें आई हैं। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली दो जजों की बेंच ने प्राइवेट कोचिंग सेंटर को रेगुलेट करने और उनके लिए एक स्टैंडर्ड तय करने के लिए कानून बनाने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए ये टिप्पणी की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तंत्र व कानून की सख्ती कसेगी नकेल

दीपिका अरोड़ा

'स्वास्थ्य का अधिकार' राष्ट्रीय संविधान तथा वैधानिक कानूनों सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून में भी मान्य है। उपचार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण औषधालय को जीवन रक्षक संस्था कहा जाता है। आवश्यक दवाइयों की सर्वसुलभता स्वस्थ एवं रोगमुक्त समाज सृजित कर, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि संभव बना सकती है किंतु कदाचित आर्थिक लोलुपता अंतर पर प्रभावी होने लगे तो नकली दवाओं का कारोबार मनुष्य को लाचार बनाने से भी नहीं चूकता। दवा उत्पादन में, वैश्विक स्तर पर हमारा देश तीसरा स्थान रखता है। तुलनात्मक उत्पादन लागत अमेरिका तथा पश्चिमी देशों की अपेक्षा कम होने के कारण भारत व्यापक स्तर पर दवाइयों का निर्यात करता है। वित्त वर्ष, 2021-22 के दौरान हुआ निर्यात 24.62 अरब डॉलर से अधिक रहा।

अरबों डॉलर की दवाएं निर्यात करने वाले इस देश में नकली दवा उत्पादन की भी कमी नहीं। एक अनुमान के मुताबिक़, विश्व में उत्पादित कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत भारत में बनता है। देश में नकली दवाएं बनाने वाली कंपनियां लगभग चार हजार करोड़ रुपये सालाना का कारोबार कर रही हैं। वैश्विक आधार पर चिंताजनक विषय बना नकली दवा निर्माण का गोरखधंधा, भारत के विभिन्न प्रांतों में अपनी जड़ें फैला चुका है। विषय से संबद्ध घटनाएं अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। पंजाब समेत कई राज्य नकली दवाओं पर ब्रांडेड लैवल लगाकर विस्तृत आपूर्ति की जाती है। बीते माह, देहरादून पुलिस ने भी नकली दवा-फैक्टरी का भंडाफोड़ किया। मामले की जांच के दौरान मुख्यारोपी द्वारा दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित करीब 44 स्थानों पर लगभग 7 करोड़ की नकली दवाएं सप्लाई करने की बात सामने आई। दरअसल, बाजार में ब्रांडेड कंपनी के नाम से बिकने वाली नकली दवा पर अंकित नाम तथा सॉल्ट में समता होने के कारण असली-नकली में भेद करना कठिन हो जाता है। कम कीमत, सहज उपलब्धता के चलते भी लोग असली या ब्रांडेड उत्पादों की तुलना में नकली उत्पाद बिना विचारे ही स्वीकार लेते हैं। वायरल संक्रमण के दौर में एंटीबायोटिक दवाइयों की बढ़ती मांग नकली दवा के अवैध धंधे को विशेष विस्तार देने का कारण बन जाती है। नकली दवा का उत्पादन तथा बिक्री इसके मूल, प्रामाणिकता या प्रभावशीलता को भ्रामक रूप में प्रस्तुत

करने के इरादे से की जाती है। घटिया उत्पाद उत्पन्न होने के पीछे विशेषज्ञता की कमी, अनुचित विनिर्माण प्रथाएं अथवा अपर्याप्त बुनियादी ढांचा मुख्य कारण बनते हैं। सूत्रों की मानें तो नकली दवा निर्माण प्रक्रिया में आंशिक स्तर पर कुछ कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। कोई भी दवा बनाने पर बड़ी मात्रा में उसकी स्क्रैप बच जाती है। बची स्क्रैप नकली दवा-कंपनियों तक पहुंचाना भले ही कुछ कंपनियों के लिए लाभकारी सौदा हो किंतु नकली दवा निर्माता द्वारा किया गया इसका दुरुपयोग जन स्वास्थ्य के लिए अपूरणीय क्षति ही लेकर आता है।

अनभिज्ञता, आर्थिक विवशता अथवा जागरूकता के अभाव में किए गए गुणवत्ता रहित औषधि सेवन के परिणामस्वरूप उपचार विफल हो जाता है। एंटीबायोटिक दवाओं में यह रोगाणुरोधी प्रतिरोध का कारण बनता है। किडनी, लीवर, हार्ट आदि संवेदनशील अंगों पर नकली दवाओं का अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इनके प्रयोग से रोगी की जान तक जा सकती है। भारतीय दंड संहिता के दृष्टिगत 'औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940' की धारा 27-ए के तहत, नकली दवाओं से रोगी की मृत्यु या स्थिति गंभीर होने पर आजीवन कारावास का प्रावधान है। धारा 27-बी के अनुसार, मिलावटी या बिना लाइसेंस दवा बनाने पर 5 वर्ष का कारावास है। धारा 27-सी के मुताबिक, 7 वर्ष तथा धारा 27-डी के तहत, 2 वर्ष की सजा है। दवा उत्पाद की सम्पूर्ण जांच हेतु संबद्ध मंत्रालय ने 14 जून, 2022 को जारी अधिसूचना के मसौदे में, फॉर्मूलों से दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए अपने प्राथमिक तथा द्वितीयक पैकेजिंग लेबल पर बार कोड अथवा क्यूआर कोड छापना या चिपकाना अनिवार्य किया था।

नवंबर, 2022 में केंद्र सरकार ने औपचारिक अधिसूचना जारी करके 300 ब्रांडों के विनिर्माताओं को पैकेजिंग पर क्यूआर कोड जारी करने संबंधी निर्देश दिया, जिसमें विशिष्ट उत्पाद पहचान कोड, दवा का जेनेरिक नाम, ब्रांड नाम, विनिर्माता का नाम-पता, बैच संख्या, उत्पादन तिथि, समापन तिथि तथा विनिर्माण लाइसेंस संख्या से संबंधित जानकारी शामिल होगी। घटिया दवा उत्पादों का निर्माण मानवीयता के परिप्रेक्ष्य में एक अक्षम्य अपराध है; ये जानते-बूझते भी नकली दवा निर्माण की राष्ट्रव्यापी कालाबाजारी के समक्ष कानून के हाथ छोटे जान पड़ते हैं। इसे व्यवस्थात्मक ढिलाई मानें अथवा भ्रष्टाचार की मजबूत पकड़ या फिर राजनीतिक तथा उच्चाधिकारियों की 'विशेष अनुकम्पा' का भय।

मानवीय मूल्यों के हनन पर रहस्यपूर्ण खामोशी

राजेश रामचंद्रन

हमारे समाज में अंदरखाते कितनी विद्रूपता है इसकी झलक, अपनी पूरी वीभत्सता के साथ, हाल ही में उजागर हुई है। बल्कि, दृश्यावली हर गुजरते दिन के साथ बदतर होती जा रही है। हरियाणा के जींद में एक वरिष्ठ माध्यमिक कन्या विद्यालय की लगभग 50 बच्चियों के साथ यौन-उत्पीड़न हुआ, स्कूल के प्रधानाचार्य ने कुछ के साथ छेड़छाड़ की, तो कुछेक का कथित बलात्कार। उसे लैंगिक अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के प्रावधानों के तहत सामान्य एवं गहन स्तर का यौन-उत्पीड़न करने की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही, उस पर भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत महिला अस्मिता पर हमला करने और गलत ढंग से रोककर रखने वाली धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

यह कहानी इतनी विचित्र है कि तफ्सील से विवेचना की जरूरत है। सबसे पहले कुछ स्कूली छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग को चिट्ठी लिखी बताई जाती है। जाहिर है छात्राओं ने अपने असली नाम नहीं लिखे होंगे। यह पत्र शायद गत 31 अगस्त को लिखा गया। जब 25 अक्टूबर को जिला प्रशासन ने जांच-पड़ताल शुरू की। ठीक उसी दिन आरोपी प्रधानाचार्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अनुमति लिए बगैर 50 छात्राओं के साथ अमृतसर यात्रा पर निकल गया। इस पर मीडिया वालों को संदेह है कि ऐसा शायद अपने बचाव की आड़ बनाने के इरादे से किया गया। वापसी पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आरोपों में दम भांपकर प्रधानाचार्य को बर्खास्त कर दिया। इसके बाद उपायुक्त द्वारा नियुक्त यौन उत्पीड़न समिति द्वारा की गई तफ्तीश में पाया गया कि प्रथम दृष्टया आरोप बेवजह नहीं लगते। गत 4 नवम्बर को प्रधानाचार्य को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद और इल्जाम सामने आने लगे। इस मुद्दे पर केवल जनवादी महिला समिति और संयुक्त किसान मोर्चा ही ऐसे संगठन हैं, जो प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी ओर से इस भयावह कांड की जांच-पड़ताल करवा रहे हैं।

एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सिक्किम नैन द्वारा प्रधानाचार्य पर 30 बच्चियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। एक अवयस्क के साथ किसी भी प्रकार का शारीरिक संबंध बलात्कार से इतर नहीं हो सकता। इसलिए, यदि कार्यकर्ता प्रधानाचार्य द्वारा बलात्कार किए जाने को इंगित कर रहा है, तो पूरा मामला एक अलग मोड़ ले सकता है, क्योंकि अभी तक उस पर बलात्कार की धारा नहीं लगाई है। न ही बलात्कार को लेकर स्थानीय पुलिस ने जांच की है। इससे बदतर, 30 सितम्बर को ग्यारहवीं की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। बेबस छात्रा, जो कि गरीब तबके से थी, उस दिन विद्यालय आई थी, उसने हताश होकर खुदकुशी कर ली। शव का पोस्ट-मॉर्टम तक नहीं हुआ, न ही अब तक पुलिस ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने के स्थानीय कार्यकर्ताओं के आरोपों पर जांच शुरू की है। बताया जाता है कि इस विद्यालय की दो और छात्राओं ने भी विगत में आत्महत्या की थी।

किसी ने घटनाओं को समय के क्रम से जोड़कर देखने या इन सब अजीब घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट देने की जरूरत नहीं समझी, न तो पुलिस ने और न ही प्रशासन या फिर विद्यालय प्रबंधन ने। इन सभी से किए गए प्रत्येक सवाल के जवाब में केवल टालमटोल वाले जवाब मिले। एक प्रसिद्ध समाचार पत्रे ने भयावह दिखाई देने वाली इस कहानी की तह तक जाने का प्रयास किया है, जब एक अध्यापक अपनी छात्राओं के लिए दरिंदा बन गया। लेकिन अब तक कुछ विशेष हाथ नहीं लग पाया। नए प्रधानाचार्य ने अपने पूर्ववर्ती पर लगे आरोपों को हवा में उड़ाया है, और यहां तक दावा किया कि एक बार उसके खिलाफ भी शिकायत हुई थी लेकिन कुछ निकला नहीं। संयोगवश ऐसी सूचनाएं हैं कि जींद में प्रधानाचार्य बनने से पहले भी आरोपी का पिछला इतिहास यौन-उत्पीड़न के इल्जामों से सना है। ऐसा लगता है यौन-उत्पीड़न की शिकायतें हरियाणा के विद्यालयों में अमूमन आती हैं और इस किस्म की शिकायतों के बावजूद शिक्षा विभाग दागी अध्यापकों को कन्या विद्यालयों में नियुक्त करने से नहीं टलता। ऐसा भी नहीं कि कथित कांड की सारी जिम्मेवारी शिक्षा विभाग या विद्यालय को उठानी पड़े। एक भी स्थानीय राजनेता ने इस मामले में मुंह खोलने की हिम्मत नहीं दिखाई, न ही स्थानीय मंत्री ने, यहां तक कि किसी विपक्षी नेता ने भी। चुप्पी की यह साजिश चहुंओर पसरी है। वैसे भी हरियाणा में सत्तासीन और विपक्षियों के बीच भाईचारा है।

हाल ही में जहरीली शराब ने 20 लोगों की जान ली, कथित आरोपियों मे एक विपक्षी दल का नेता और एक सत्तासीन दल के बड़े नेता का पुत्र है। इस पर भी सब शांत रहे। पंजाब और हरियाणा में अवैध शराब से मौतों की घटनाएं समय-समय पर होती रहती हैं और 'शराबी थे, मर गए' कहकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है, जबकि ऐसा है नहीं। यदि हाल ही में यमुनानगर की घटना का उदाहरण लें तो मुख्य आरोपी, जिसकी पूरी संभावना सत्ताधारी और विपक्षी नेताओं का मुखौटा होने की है, उसके पास 22 शराब ठेकों के लाइसेंस हैं। वह खुलेआम एक्सट्रा न्यूट्रल एल्कोहल (ईएनए) मिली शराब बेचता रहा, यह गिरोह जहां कहीं भी उपलब्ध हो लाकर मिला देता था। जब ईएनए की बजाय मिथाइल एल्कोहल या डीनेचर्ड स्पिरिट खरीदकर मिलाई जाए, तो परिणाम में मौतें होती हैं।

सर्दियों में बच्चों का रखें खास ख्याल

बीमारियों से दूर रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बदलता मौसम और तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव सामान्य तौर पर शरीर के लिए दिक्कतें पैदा करता है। उसपर आजकल कभी भी होने वाली बारिश स्थिति को और भी चुनौती से भरा बना देती है। वयस्कों के लिए ही यह मौसम कई शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है। ऐसे में छोटे बच्चों पर तो इसका असर और भी ज्यादा हो सकता है। 0-6 साल की उम्र के बच्चे जो इस तरह के मौसम का पहली बार सामना कर रहे होते हैं, उनका खास ख्याल रखना जरूरी होता है। अक्सर माता-पिता यह समझ नहीं पाते कि ठंड के मौसम में बच्चों को किस तरह के कपड़े पहनाए रखे जाने चाहिए। वे या तो बहुत सारे कपड़े पहना देते हैं या फिर कई बार सामान्य पतले कपड़ों में ही बच्चे को रहने देते हैं। ये दोनों ही स्थितियां बच्चे के हिसाब से मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। जन्म के पहले बच्चा मां के भीतर एक सुरक्षित और आरामदायक कवच में रहता है। नौ महीने तक यही उसकी आदत में होता है। जब वह बाहर आता है तो उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती ही बाहर के वातावरण से सामंजस्य बैठाने की होती है। उसका शरीर धीरे-धीरे इस बाहरी वातावरण को अडॉप्ट करता है। इसलिए जन्म से कम से कम 6 माह तक बच्चों को इस मौसम में सुरक्षित रखना जरूरी है।

अचानक बदलता मौसम

ठंडी और रूखी हवा, रात में और सुबह अचानक तापमान का गिरना, दिन की तीखी धूप और अचानक हो जाने वाली बारिश। ये सब कुछ सर्दियों में हो सकता है और पिछले कुछ सालों में तो मौसम का यह बदलाव और भी तीव्र हो गया है। आजकल ज्यादातर पैरेंट्स सिंगल फैमिली के रूप में रहते हैं ऐसे में उन्हें असरदार पारंपरिक नुस्खे बताने वाला भी कोई नही होता। उसपर छोटे से बच्चे और उसकी देखभाल को लेकर पहले ही उनके मन में कई सवाल चल रहे होते हैं।

बच्चे को होने वाली समस्याएं

ठंड के मौसम में केवल सर्दी-जुकाम ही नहीं है जो बच्चों को परेशान कर सकता है। इसके अलावा बुखार, उल्टी, दस्त, स्किन इंफेक्शन या रैशेज और फुंसियां, पेट दर्द, ड्राय कफ, डिहाइड्रेशन, निमोनिया, वायरल इंफेक्शन और कुछ मामलों में सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम के शिकार भी बच्चे हो सकते हैं। सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम की स्थिति जरूरत से ज्यादा कपड़े में बच्चे को लाद देने से हो सकती है। इसके अलावा शरीर के टेम्परेचर का एकदम घट जाना यानी हाइपोथर्मिया की स्थिति भी बन सकती है। कई बार बहुत तेज धूप बच्चे को सूरज की हानिकारक किरणों से होने वाले नुकसान भी दे सकती है।

सुरक्षा रखें लेकिन इतनी नहीं

ठंड से बच्चों का बचाव करने का सबसे आम तरीका होता है ढेर सारे गर्म कपड़े बच्चे को पहना देना। साधारण कपड़ों के ऊपर गर्म या ऊनी कपड़े, टोपी, मोजे और कुछ मामलों में तो डबल मोजे, बच्चे को पहना दिए जाते हैं। गर्म कपड़े सर्दियों में बच्चे को सुरक्षित रखते हैं लेकिन ज्यादा कपड़े उसके लिए दिक्कत बीबी पैदा कर सकते हैं। जरूरी यह है कि बच्चे के लिए कपड़ो की सही लेयर के साथ उसकी नियमित पोषक खुराक और मालिश आदि जैसी सभी चीजों को भी ध्यान में रखा जाए। बच्चे को कड़क और चुभने वाले कपड़ों की जगह नरम कपड़ों की तीन लेयर पहनाएं। इसमें बनियान या शमीज जैसा कोई कपड़ा, एक पूरी बांहों का कोई टीशर्ट या ऊपरी कपड़ा और एक सॉफ्ट पजामा या ज्यादा ठंड हो तो वार्मर और एक स्वेटर पहनाएं। दिन में और रात में सोते समय हल्के कपड़े ही पहने रहने दें। स्वेटर और मोजे, टोपी आदि उतार दें। क्योंकि यदि बच्चे को पसीना आयेगा तो उसमें ठंडी हवा लगना तकलीफ दे सकता है। कोशिश करें कि बच्चे को मच्छरदानी में ही सुलाएं। इससे मच्छर और ठंड दोनो से उसका बचाव हो सकेगा। जब आप बच्चे को घर से बाहर ले जाएं तो कार में भी तेज हीटर न चलाएं। अगर बाहर तेज ठंड है तो बच्चे को स्वेटर, टोपी, मोजे आदि पहनाएं।

जब हो जाए बच्चा बीमार

तमाम सावधानियों के बावजूद कई बार बच्चे पर मौसम का असर हो सकता है या किसी और से बच्चे तक संक्रमण आ सकता है। ऐसे में सर्दी-जुकाम होने पर भी बच्चे को पर्याप्त मात्रा में लिक्विड देते रहें। इसके लिए डॉक्टर की सलाह लें। मां का दूध इस समय भी जारी रखा जा सकता है। छह महीने के बच्चे को तो आप दाल का पानी या मैश किये हुए फल आदि भी दे सकते हैं। अगर कोई फॉर्मूला यूज कर रहे हैं तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। हीटर जैसे किसी भी साधन का उपयोग बहुत जरूरी होने पर ही करें। बच्चे के सिर सहित पूरे शरीर की हलके हाथों से की गई मालिश उसकी स्किन को मॉइश्चर से भरपूर रखती है। साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को भी सही रखती है। इससे बच्चे को नींद भी अच्छी आती है और उसका पूरा विकास होता है। मालिश के बाद कुछ देर बच्चे को हल्की धूप में जरूर ले जाएं। इसके बाद साबुन रहित गुनगुने पानी से नहला दें। मालिश के लिए इस मौसम में सरसों का तेल सबसे अच्छा होता है।

हंसना मना है

सर- अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? संता - बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबेंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबेंड घर से चला गया, हसबेंडः रात को फोन पे, खाने में क्या है। वाईफ- जहर। हसबेंड : मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर- सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट- फायदे तो पता नहीं, पर बेइजती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिकारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिकारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लडकी की मां- अरे तुम जाओ बाबाजी ये तोतली है। कह रही है..कमा कर खाओ।

जिस लड़के कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा Try Ball पर ही आउट हो गया।

लड़की- प्लीज मेरे हसबेंड को अंदर बुला लीजिये, डॉक्टर- घबराओ नही मैं एक शरीफ आदमी हूं। लड़की- आप समझे नहीं, बाहर आपकी नर्स अकेली है।

कहानी | कर्म-योग क्या है?

एक सात वर्ष का बालक रमन महर्षि के पास आया। उन्हें प्रणाम कर उसने अपनी जिज्ञासा उनके समक्ष रखी। क्या आप मुझे बता सकते है कि कर्म-योग क्या है? क्योंकि जब मैं अपने माता-पिता से पूछता हूं, तो वे कहते है कि जब तुम बडे हो जाओगे, तो तुम्हें अपना आप समझ आ जाएगी। बालक की बात सुनकर ऋषि बोले- मैं तुम्हे इस प्रश्न का उतर दूंगा। पर अभी तुम यहां मेरे पास शांतिपूर्वक बैठ जाओ। बालक उनकी आज्ञा का पालन कर उनके पास जाकर बैठ गया। कुछ समय बाद, वहां एक व्यक्ति डोसे लेकर आया। उसने सभी डोसे रमन महर्षि के समक्ष रख दिए। तो महात्मा ने डोसे का एक छोटा सा टुकडा अपने आगे रखा। फिर बालक के पतल मे एक पूरा डोसा परोस दिया। उसके बाद वहां उपस्थित अन्य अनुयायियो में शेष डोसे बांटने का आदेश दिया। फिर बालक से कहा- अब जब तक मैं अंगुली उठाकर इशारा नही करता, तब तक तुम यह डोसा खाते रहोगे। हां..ध्यान रहे कि मेरे इस संकेत से पहले तुम्हारा डोसा खत्म नही होना चाहिए। पर जैसे ही मैं अंगुली उठाकर संकेत दूं, तो पतल पर डोसे का एक भाग भी शेष नही रहना चाहिए। उसी क्षण डोसा खत्म हो जाना चाहिए। महर्षि के इन वचनों को सुनते ही बालक ने पूरी एकाग्रता से रमन महऋषि पर दृष्टि टिका दी। उसका मुख बेशक ही डोसे के निवाले चबा रहा था, किंतु उसकी नजरें एकटक महात्मा रमन पर केन्द्रित थी। बालक ने शुरूआत में बड़े-बड़े निवाले खाए। पर बाद में, उसने छोटे-छोटे निवाले खाने शुरू कर दिए। तभी अचानक संकेत मिला। इशारा मिलते ही बालक ने बचा हुआ डोसा एक ही निवाले में मुख में डाल दिया। बच्चे की इस प्रतिक्रिया को देखकर महर्षि बोले- अभी-अभी जो तुमने किया, वही वास्तविक कर्म-योग है। महर्षि ने आगे समझाते हुए कहा- देखो। जब तुम डोसा खा रहे थे, तब तुम्हारा ध्यान केवल मुझ पर था। डोसे के निवाले मुख में डालते हुए भी तुम हर क्षण मुझे ही देख रहे थे। ठीक इसी प्रकार संसार के सभी कार्य-व्यवहार करते हुए भी अपने मन-मस्तिष्क को ईश्वर पर केन्द्रित रखना। मतलब कि ईश्वर में स्थित होकर अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण करना ही वास्तविक कर्म-योग है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियां अच्छा मौका साबित होंगी। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

वृषभ

आज आपकी संतान के द्वारा किए गए कार्यों से आपको हर्ष होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, तभी वह सफलता पा सकेंगे।

मिथुन

आज के दिन व्यापार में अच्छी गति से आपको लाभ होगा। कुछ काम अटक सकते हैं लेकिन जीवनसाथी की मदद से अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क

रुकावटों और हर तरह की परिस्थितियों के बावजूद आपका ध्यान काम पर ही रहेगा। किसी खास क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिये तत्पर रहेंगे।

सिंह

आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने से आप अपने आप को सफल महसूस करेंगे।

कन्या

आज दूसरों के साथ आपका तालमेल बेहतर बना रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मेहनत का सुखद परिणाम हासिल होगा।

तुला

व्यवसाय में सफलता मिलेगी। स्टूडेंटस सफल रहेंगे। आज प्रॉपर्टी में मिले-जुले असर के बावजूद प्रोफेशन और आर्थिक मामले में फायदा मिलने की उम्मीद है।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति का दिन रहेगा। आज आपको अपनी ससुराल पक्ष से कोई वस्तु अथवा धन प्राप्त हो सकता है।

धनु

आज कार्यक्षेत्र में बॉस से आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। लवमेट कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। इस बीच आपको कुछ रोचक अनुभव भी मिलेंगे।

मकर

आज आपके ऊपर महालक्ष्मी जी की खास कृपा दृष्टि बनी रहेगी। आज किसी करीबी की ओर से उम्मीद के अनुसार सहयोग न मिलने से आप कुछ उदास रहेंगे।

कुम्भ

आज आपको किसी भी कार्य करने से पहले धैर्य को बनाए रखना होगा, तभी आप कार्य को सफल कर पाएंगे, इसलिए जल्दबाजी में आज कोई भी निर्णय न ले।

मीन

आज आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे लेकिन तभी जब आप उचित दिशा में मेहनत करें। आपको कुछ नए विचारों पर काम करने की ज़रूरत है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी फिल्म 'ऐ मेरे वतन' से आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए : सारा अली खान

अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने वाली अभिनेत्री सारा अली खान इन दिनों अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अभिनेत्री एक के बाद एक प्रोजेक्ट्स साइन कर रही हैं। अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की तैयारी में लगीं सारा की अगली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। अब अभिनेत्री ने अपनी फिल्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

अभिनेत्री सारा अली खान ने कहा कि उनकी आने वाली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक कालजयी कहानी है जो वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करने की क्षमता रखती है। बता दें कि निर्माताओं ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के चल रहे 54वें संस्करण में सच्ची घटनाओं से प्रेरित थ्रिलर ड्रामा फिल्म का एक विशेष प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

सारा ने अपनी फिल्म के बारे में बताते हुए कहा,यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित फिल्म है, लेकिन यह एक कालजयी कहानी है। वर्तमान पीढ़ी को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम 1947 में समाप्त हो गया, लेकिन उसके बाद भी, एक महिला, बच्चे और अभिनेता के रूप में हर कोई संघर्ष करता है। यह फिल्म उन सभी संघर्षों को पर्दे पर खूबसूरती से दिखाती है। इस फिल्म का निर्देशन कन्नन अय्यर ने किया है।

सारा ने आगे कहा, मैं इतिहास का छात्रा रही हूं। आज किसी के लिए समय यात्रा भी संभव नहीं होगी। इसलिए मैं भारत छोड़ो आंदोलन में कैसे जाऊंगी और उन भावनाओं को फिर से कैसे जीऊंगी, जिनका उस समय लोगों ने सामना किया था। मुझे यह मौका इस फिल्म में काम करके मिला है। अय्यर ने कहा कि टीम ने कहानी को आकर्षक बनाने के लिए रचनात्मक स्वतंत्रता ली है, लेकिन वे 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान हुई वास्तविक घटनाओं के सार के प्रति सच्चे रहे हैं।

नवाजुद्दीन संग काम करने को लेकर उत्साहित हैं प्रिया बापट

मराठी अभिनेत्री प्रिया बापट जल्द ही थ्रिलर फिल्म के जरिए पर्दे पर नजर आएंगी। यह फिल्म 1990 के दशक की थीम पर आधारित बताई जा रही है। इसमें अभिनेत्री बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। बता दें कि प्रिया बापट काकस्पर्श और हैप्पी जर्नी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अब वह अपनी आगामी फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने हाल ही में नवाजुद्दीन के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। अब अपनी आगामी फिल्म को लेकर प्रिया ने कहा, मैंने जब से इस फिल्म की कहानी सुनी और पता चला कि नवाजुद्दीन के साथ काम करने का मौका मिलेगा, तब से मैं बेहद उत्साहित हूं। इस फिल्म का हिस्सा बनते हुए बेहद खुशी हो रही है। प्रिया के मुताबिक इसकी स्क्रिप्ट बहुत शानदार है। 1990 के दशक की थीम पर होने की वजह से यह फिल्म आपकी पुरानी यादें ताजा कर देगी।

निर्देशक ने की प्रिया की तारीफ

नवाजुद्दीन के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए प्रिया ने कहा, उनके साथ काम करते हुए रोजाना सीखने को मिला। हम इस दिलचस्प कहानी को पर्दे पर पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। निर्देशक सेजल शाह ने दोनों सितारों की केमिस्ट्री के बारे में बताते हुए कहा, मैं प्रिया बापट के साथ काम करके उत्साहित हूं। वह उम्दा कलाकार हैं। वह किरदार को बिल्कुल वास्तविक अंदाज में पेश करती हैं। उनकी और नवाजुद्दीन की केमिस्ट्री भी काफी जबर्दस्त है।

तृषा पर टिप्पणी करके मुश्किलों में पड़े मंसूर अली खान

फिल्म लियो में अपने अभिनय के लिए चर्चा में आए अभिनेता मंसूर अली खान इन दिनों लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, अभिनेता पिछले दिनों लियो में अपने को-स्टार रहीं तृषा कृष्णन पर विवादित टिप्पणियां की थी, जिसके लिए उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा है। तृषा और चिरंजीवी जैसे सितारे के फटकारने के बाद भी अभिनेता माफी मांगने के लिए तैयार नहीं हैं। अब इस मामले में मंसूर अली खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, अभिनेता के खिलाफ चेन्नई पुलिस ने मामले दर्ज किया है। तृषा के खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणी करने के लिए मंसूर अली खान की लगातार आलोचना की जा रही है। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा संज्ञान लेने के बाद डीजीपी शंकर जीवाल ने मंसूर अली खान के खिलाफ कार्रवाई की। चेन्नई पुलिस ने अभिनेत्री तृषा के लिए उनके द्वारा की गई टिप्पणी के कारण मंसूर अली खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कथित तौर पर, कल रात, 21 नवंबर को एक जांच की गई थी। इन धाराओं के तहत दर्ज हुआ मामला भारी विरोध का सामना करने के बावजूद मंसूर अली खान ने कहा कि वह तृषा कृष्णन से माफी नहीं मांगेंगे। मेगास्टार चिरंजीवी, लोकेश कनगराज और कई अन्य लोगों ने उनके भाषण के लिए उनकी आलोचना की। एक रिपोर्ट के अनुसार, मंसूर अली खान पर मामला तब दर्ज किया गया जब एनसीडब्ल्यू ने तमिलनाडु के डीजीपी को मंसूर अली खान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा था। कथित तौर पर, उनके खिलाफ धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) और धारा 509 (शब्द, इशारा या महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अजब-गजब | इन पक्षियों के आने से यहां खत्म हो गई थी हैजा की बीमारी

इस इलाके में चमगादड़ों की होती है पूजा

चमगादड़ अब आमतौर पर लोगों को देखने को नहीं मिलते हैं। लेकिन वैशाली जिले के सरसई गांव में आते ही आपको पक्षियों के बराबर ही चमगादड़ दिखाई देंगे। लोगों की मान्यता है कि 600 वर्ष से अधिक समय से इस गांव में चमगादड़ों का बसेरा है। यहां के लोग चमगादड़ को शुभ मानकर उनकी पूजा व सेवा भी करते हैं। यहां के 52 बीघा तालाब के पास आते ही आपको चमगादड़ों का झुंड दिखाई देने लगेगा। पेड़ों पर उल्टा झूल रहे चमगादड़ों को देख आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि आखिर यहां इतनी बड़ी संख्या में चमगादड़ क्यों और कहां से आए।

हम बात कर रहे हैं वैशाली जिले के हाजीपुर प्रखंड क्षेत्र के सरसई गांव की, जहां स्थित एक तालाब के चारों तरफ जितने भी पेड़ हैं, सभी पर सैकड़ों की संख्या में चमगादड़ों का बसेरा है। गांव वाले बताते हैं कि कई पीढ़ी के लोग इस गांव में चमगादड़ देखते आ रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि आज तक चमगादड़ों ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। यही वजह है कि नागपंचमी के दिन गांव में चमगादड़ की पूजा भी की जाती है। लोगों की मानें तो इस गांव में पेड़ पर रहकर उल्टा लटककर सोने वाने प्रजाति का चमगादड़ है। इसे देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। उनके लिए यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

सरसई गांव के रहने वाले अमोद कुमार निराला बताते हैं कि यह इलाका चमगादड़ों के लिए बहुत खास है। वे बताते हैं कि वर्ष 1402 से 1405 के बीच ठाकुरी राजवंश के राजा शिव सिंह ने सरसई गांव में 52 बीघा जमीन पर तालाब खुदवाया था। इसके चारों ओर पेड़ लगवाए थे। वे बताते हैं कि गांव में हैजा और कालरा जैसी महामारी अक्सर फैल जाती थी।

ऐसी किंवदंती है कि एक बार जब सरसई और आसपास के गांवों में महामारी फैली, तो उन दिनों चमगादड़ों का झुंड आया और तालाब के चारों ओर स्थित पेड़ों पर डेरा बसा लिया। उसके बाद इस इलाके में महामारी फैलना बंद हो गया। यही कारण है कि पीढ़ियों से यहां के लोग चमगादड़ को रक्षक मानकर उनकी पूजा करते हैं। स्तनधारी जीव होने के चलते इसे मातृत्व का रूप माना जाता है। जबकि, रात में उड़ने के चलते लोग इसे माता लक्ष्मी का अंश भी मानते हैं।

इस पेड़ पर लगते हैं आड़ू चेरी, बेर खुबानी सहित 40 तरह के फल

दुनिया के सबसे महंगे पेड़ों के बारे में आपने सुना होगा। मगर ज्यादातर पेड़ों पर एक ही प्रकार के फल लगते हैं। क्या आपको कोई ऐसा पेड़ देखा है, जिसमें एक से ज्यादा फल लगते हों। शायद नहीं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें एक-दो नहीं पूरे 40 अलग-अलग तरह के फल लगते हैं। यह पेड़ इतना महंगा है कि अगर आपके पास एक भी हो तो बेचकर सोने चांदी के काफी गहने आप खरीद सकते हैं। न्यूयॉर्क की सेराक्यूज यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर सैम वॉन ऐकेन ने इस अनोखे पेड़ को काफी मेहनत के बाद उगाया है। इसके लिए उन्होंने ग्राफ्टिंग तकनीक की मदद ली। इस अनोखे पेड़ को उन्होंने 'ट्री ऑफ 40 'नाम दिया है। इसमें आड़ू, चेरी, बेर, खुबानी और और नेक्टराइन सहित 40 अलग-अलग फल एक साथ लगते हैं। कोई भी इस तरह का प्रयोग कर सकता है, लेकिन कुछ सावधानी बरतनी होंगी। एक इंटरव्यू में प्रोफेसर वॉन ने बताया कि उन्हें यह आइडिया कहां से आया और उन्होंने किस तरह इस पेड़ को तैयार किया। वॉन ने कहा-मैंने साल 2008 में उस वक्त इस प्रॉजेक्ट पर काम करना शुरू किया, जब देखा कि बगीचे में 200 तरह के पेड़ उग आए हैं। सब फलदार वृक्ष थे। इनकी वजह से पूरा बागीचा भर गया था। हम पेड़ों को हटा नहीं सकते थे, इसलिए जगह की कमी हो गई और गंदगी बढ़ती जा रही थी। फिर सोचा कि क्यों न सभी फलों को एक पेड़ में उगाया जाए, इससे जगह की कमी नहीं होगी। तब मैंने ग्राफ्टिंग तकनीक की मदद ली। वॉन ने बताया, मैंने सर्दियों में पेड़ की एक टहनी को कली समेत काटकर अलग कर लिया। फिर इसे मुख्य पेड़ में छेद करके लगा दिया। जोड़ने के लिए सर्दी भर के लिए टहनी और पेड़ के बीच पट्टी बांध दी। टहनी धीरे-धीरे पेड़ से अपने आप जुड़ गई। ऐसा 40 पौधों के साथ किया। काफी मेहनत के बाद मैं इसे कर पाने में सफल रहा। होता ये है कि टहनी तो मूल रूप से वही होती है, लेकिन उसे पोषण मुख्य पेड़ से मिलता है। यानी कि उसका फल पैदा करने का चरित्र नहीं बदलता। साल 2014 तक प्रोफेसर वॉन ने ऐसे 16 16 पेड़ तैयार किए थे। इनमें से कई लोगों को गिफ्ट कर दिए। आप जानकर हैरान होंगे कि एक ट्री ऑफ 40 की कीमत लगभग 19 लाख रुपये है। यानी अगर आपके पास एक पेड़ हो तो एक की कीमत में आप तमाम गहने खरीद सकते हैं।

मैं 15 लाख वाला झूठ नहीं बोलूंगा : राहुल

» बोले-जब जरूरत पड़ी तब कांग्रेस जनता के साथ होगी खड़ी

» जमीन भारत माता नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान चुनाव का प्रचार और तेजी पर पहुंच चुका है। भाजपा व कांग्रेस एक दूसरे को घेरने का कोई भी मौका नहीं गवां रहा हैं। इसी क्रम में कांग्रेस नेता व सासंद राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी की गारंटी अदाणी जी की गारंटी हैं, लेकिन कांग्रेस की गारंटी भारत माता की गारंटी है। मोदीजी अदाणी की जेब भरते हैं और हम भारत माता का धन उन्हें वापस करते हैं। राहुल गांधी ने कहा- मैं आपको 15 लाख वाला झूठ नहीं बोलूंगा, वो नरेंद्र मोदीजी बोलते हैं उन्हें बोलने दीजिए। मैं नहीं बोलूंगा। लेकिन, राजस्थान की कांग्रेस सरकार प्रदेश के गरीब लोगों का 25 लाख तक का इलाज फ्री कर रही है। सरकार बनने के बाद हम हर महिला को 10 हजार रुपये बैंक में डालकर देंगे।

हमनें सात गारंटियां दी हैं, जिन्हें हम पूरा करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने आपका टाइम कभी खराब नहीं किया। जब आपको जरूरत थी तब कांग्रेस आपके साथ खड़ी रही। आजादी के समय कांग्रेस की आपको जरूरत पड़ी तो कांग्रेस पार्टी ने आपके साथ खड़े होकर अंग्रेजों को भगा दिया। हरित क्रांति, सफेद क्र ांति और कंप्यूटर रेबोल्यूशन के लिए आपको कांग्रेस की जरूरत पड़ी तो हमने कदम से कदम मिलाकर आपका साथ दिया। अब देश में क्रांतिकारी कदम उठाने का समय आ गया। पीएम मोदी ने जो बेरोजगारी फैलाई है और महंगाई बढ़ाई है उसे खत्म करने का समय आ गया है। जिस दिन हमें आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों को देश को चलाने में भागीदारी दे दी। उस दिन चमत्कार हो जाएगा

राहुल गांधी अपने भाषण की शुरुआत भारत माता कौन है से की। उन्होंने कहा- जमीन भारत माता नहीं है। किसान, मजदूर, गरीब भाई बहन भारत माता हैं। उन्होंने कहा- जिसे हम भारत माता कहते हैं, पूरी दुनिया उसे सोने की चिड़िया कहती है। इसका मतलब है, कि यहां पैसे की कोई कमी नहीं है। भारत माता की मेहनत और खून पसीने से अरबों रुपये मिलते हैं। सवाल है कि ये रुपये किसे मिले मिल रहे हैं, वापस भारत माता को या फिर एक-दो उद्योगपतियों को।

मैं बीजेपी की तकलीफ समझता हूं, बेचारे सरकार नहीं गिरा पाए : गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भाजपा पर पूरी तरह से हमलावर दिखे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा को दुख है कि वो हमारी सरकार गिरा नहीं पाए। इसलिए राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह और अन्य नेताओं ने धावा बोला हुआ है। सीएम ने दावा किया कि ये लोग 25 के बाद यहां मुंह नहीं दिखाएंगे। ये षड्यंत्रकारी लोग हैं। महादेव एप में छत्तीसगढ़ के सीएम को चुनाव से चार दिन पहले गिरफ्तार करने की साजिश थी। लाल डायरी भी भाजपा की साजिश थी। महादेव एप में भी साजिश हुई। वहां ये एक्सपोज हो गए। राजस्थान में भी एक्सपोज हुए। ईडी की छापेमारी में कोई कांग्रेस नेता गिरफ्तार हुआ क्या? हमने विनती की थी कि हमारे काम और योजनाओं पर बहस करो कमियां बताओ। उस पर बहस नहीं हो रही केवल भड़काने वाली स्पीच हो रही है। जितने भी नेता आए यही भाषा बोलकर गए हैं, ऐसे बटन दबाओ जैसे फांसी दे रहे हो कन्हैयालाल को मारने वाले इनके कार्यकर्ता हैं। इन्होंने उनका स्वागत किया, थाने से छुड़ाया। ये विज्ञापन देकर क्या संदेश देना चाहते हैं। बम ब्लास्ट में इनके समय खामियां रहीं। सीएम ने कहा कि पीएम अभिनेता हैं। कहते हैं मैं ओबीसी का हूं। मुझे नीच कह दिया। किसी ने नीच नहीं कहा। गुजरात में कहा ये राजस्थानी आ गया, इसकी बात मानोगे तो मैं कहां जाऊंगा। हम नहीं कह रहे कि गुजराती वोट मांगने आ गया, मैं कहां जाऊंगा। ये भविष्यवक्ता हैं क्या? जो कह रहे हैं कि अबकी बार मैं सीएम नहीं बनूंगा, लेकिन खुद फिर से पीएम बनने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि जनता बीजेपी को सबक सिखाएगी। हमारी स्कीमें शानदार हैं। मैं उनकी तकलीफ समझता हूं, हॉर्स ट्रेडिंग करके भी सरकार नहीं गिरा पाए हैं। राजेश पायलट को लेकर गुर्जर समाज को भड़का रहे हैं। इनकी पार्टी में 22 बार फायरिंग हुई थी, जिसमें 72 गुर्जर मारे गए। मेरे वक़्त में फायरिंग छोड़ो मैंने लाठीचार्ज तक नहीं होने दिया।

दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

» केरल और तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी, पुडुचेरी में स्कूल बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार को भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण पुडुचेरी और कराईकल में स्कूल बंद कर दिए गएं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार को भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण पुडुचेरी और कराईकल में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

केरल और तमिलनाडु सरकारों ने मंगलवार को लोगों को सतर्क रहने की सलाह जारी की, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों में ऑरेंज अलर्ट जारी की है, क्योंकि तेज होते पूर्वोत्तर मानसून के कारण क्षेत्र में भारी बारिश हुई है। अब भी तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु के 10 से अधिक जिलों में अगले दो दिनों में रुक-रुक कर बारिश की भविष्यवाणी की है। राज्य के कई हिस्सों में आज भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मेरे पीछे पड़ा मेडिकल माफिया : रामदेव

» सुप्रीम कोर्ट की नोटिस पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरिद्वार। योग गुरु बाबा रामदेव ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पतंजलि आयुर्वेद को कई बीमारियों के इलाज के लिए उसकी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में झूठे और भ्रामक दावे करने के खिलाफ चेतावनी देने के बाद मेडिकल माफिया उन्हें निशाना बना रहे हैं और उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम झूठे दावों के आधार पर पतंजलि आयुर्वेद उत्पादों का प्रचार नहीं कर रहे हैं।

हमें पांच साल से निशाना बनाया जा रहा है। हम आयुर्वेद की मदद से बीमारियों को नियंत्रित करने और ठीक करने की कोशिश करते हैं लेकिन मेडिकल माफिया लगातार निशाना बना रहे हैं। बाबा रामदेव ने कहा कि पैसा सच और झूठ का फैसला नहीं कर सकता। उनके (एलोपैथी) पास अधिक अस्पताल, डॉक्टर हो सकते हैं और उनकी आवाज अधिक सुनी जा सकती है, लेकिन हमारे पास संतों के ज्ञान की विरासत है, हम गरीब नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कल से अलग-अलग मीडिया साइट्स पर एक खबर वायरल हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर आप गलत प्रचार करेंगे तो जुर्माना लगेगा... हम कोर्ट का सम्मान करते हैं। लेकिन हम कोई गलत प्रचार नहीं कर रहे हैं।

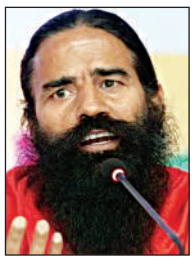

सुप्रीम कोर्ट का मोदी सरकार को झटका

» जारी रखेगा ईडी की शक्तियों की समीक्षा

» फिर ठुकराई केंद्र की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में पीएमएलएस के तहत ईडी की शक्तियों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले पर सुनवाई जारी रखेगा। अदालत ने कहा कि वह सॉलिसिटर जनरल से सहमत या असहमत हो सकते हैं लेकिन उनको सुनवाई शुरू करने दी जाए। जिन याचिकाओं पर अदालत सुनवाई कर रहा है इनको कई मनी लॉन्ड्रिंग मामलों के आरोपियों ने दायर किया है,की तरफ से स्त्र तुषार मेहता ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि पहले याचिकाओं में केवल 2 प्रावधानों की वैधता को चुनौती दी गई थी, लेकिन अब कई अन्य प्रावधानों को चुनौती दी गई है।

केंद्र की तरफ से अदालत में कहा गया कि इस पीठ के समक्ष याचिकाएं सूचीबद्ध होने के बाद इन याचिकाओं में कई संशोधन किए गए, जबकि शुरुआत में सिर्फ धारा 50, 63 को चुनौती दी गई थी। उनको कोई दिक्क त नहीं थी लेकिन अब पांच और धाराओं को चुनौती दी गई है. उस मामले में सुनवाई शुरू होने से पहले उनको जवाब दाखिल करने का मौका दिया जाना चाहिए। अगर दायर करने के बाद याचिका में संशोधन होता है तो हमें जवाब देना होगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जब तक कि अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्था मनी लॉन्ड्रिंग अपराधों से निपटने के लिए मूल्यांकन पूरा नहीं कर लेती, तब तक राष्ट्रहित में कम से कम एक महीने तक सुनवाई न हो।

विराट की लंबी छलांग, तीसरे नंबर के बने बल्लेबाज

» आईसीसी वनडे रैंकिंग : गिल टॉप पर बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज एक बार फिर से नंबर वन बनने के करीब पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने वनडे रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वे अब दुनिया के तीसरे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, उनके आगे पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम और भारतीय युवा ओपनर शुभमन गिल हैं। बता दें कि, गिल इस समय वनडे रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बने हुए हैं। विराट कोहली के लिए वर्ल्ड कप 2023 शानदार गुजरा। विराट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। भारतीय क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ी इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 10 में हैं। शुभमन गिल पहले स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। गिल 826 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जबकि बाबर के खाते में 824 अंक हैं। विराट कोहली 791 अंकों के साथ तीसरे और रोहित शर्मा 769 अंकों के साथ चौथे पायदान पर हैं। विराट ने 3 शतक इस वर्ल्ड कप में लगाए थे। हालांकि, वर्ल्ड कप 2023 के बाद भारतीय गेंदबाजों को आईसीसी रैंकिंग में घाटा हुआ है। मोहम्मद सिराज दूसरे से तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं। वहीं, कुलदीप यादव छठे से सातवें स्थान पर फिसल गए हैं। इसके अलावा मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप के बीच में 9वें स्थान पर थे, लेकिन अब 10वें स्थान पर हैं। वहीं स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को भी एक पायदान का घाटा हुआ है। वे 9वें से 10वें स्थान पर फिसल गए हैं।

रोहित के टी-20 खेलने की संभावना नहीं

भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा के अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में खेलने की संभावना नहीं है और 50 ओवर के विश्व कप के शुरू होने से पहले ही उन्होंने खेल के छोटे प्रारूप में अपने भविष्य पर चर्चा की थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। नवंबर 2022 में भारत के टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद रोहित ने छोटे प्रारूप में एक भी मैच नहीं खेला है। तब से ज्यादातर हार्दिक पंड्या ने ही भारतीय टीम की अगुआई की है। रोहित ने 148 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने चार शतक से करीब 140 के स्ट्राइक रेट से 3853 रन बनाये हैं। बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, "यह नयी बात नहीं है। इस संबंध में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से भी गहन चर्चा की थी। उन्होंने खुद ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से दूर रहने की इच्छा व्यक्त की। यह पूरी तरह से रोहित का फैसला है।

राजधानी दिल्ली में दिल दहलाने वाली वारदात

350 रुपये के लिए किशोर की हत्या

» 16 के किशोर ने 17 साल के किशोर को चाकू से गोदकर मार डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां वेलकम इलाके में मंगलवार रात महज 350 रुपये लूटने के लिए 16 साल के किशोर ने 17 साल के किशोर की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्याकांड का दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया है। लूट का विरोध करने पर आरोपी ने पहले गला दबाया, फिर चाकू से ताबड़तोड़ 50 से ज्यादा वार कर दिए। खून से लथपथ किशोर को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

बुधवार को काफी प्रयासों के बाद मृतक की शिनाख्त जाफराबाद निवासी यूसुफ (17) के रूप में हुई। बुधवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद उसका शव परिजनों के हवाले कर दिया। छानबीन के बाद मंगलवार रात को ही पुलिस ने आरोपी किशोर को दबोच लिया। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, यूसुफ परिवार के साथ गली नंबर-27, जाफराबाद में रहता था। परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं।

यूसुफ भाई के साथ वेलकम में कपड़ों पर कढ़ाई का काम करता था। मंगलवार रात को वह किसी काम से जाने की बात कहकर घर से निकला था। इस बीच वह गली नंबर-18, ईदगाह रोड, वेलकम पहुंचा। यहां नशे में धुत आरोपी ने यूसुफ को घेर लिया। आरोपी जबरन उसकी जेब में रखे 350 रुपये निकालने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने गला दबा दिया। जैसे ही यूसुफ नीचे गिरा तो आरोपी ने चाकू से 50 से ज्यादा वार कर दिए।

एफएसएल ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए : पुलिस

पुलिस उपायुक्तलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि अस्पताल ले जाने पर यूसुफ को मृत घोषित कर दिया गया। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। जांच के बाद वेलकम निवासी आरोपी को दबोच लिया गया। उसके पास से चाकू भी बरामद कर लिया गया। वारदात के बाद मृतक की पहचान नहीं हो सकी। दोपहर बाद उसकी पहचान हुई।

...तो हत्यारोपी जल्द आ जाएगा बाहर

नाबालिग होने का फायदा उठाकर आरोपी जल्द ही बाल सुधार गृह से बाहर आ जाता है। आरोपी ने यह तीसरी वारदात को अंजाम दिया है। वहीं, मामले पर वरिष्ठ अधिकारी कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, नाबालिग को पकड़कर जेजे बोर्ड में पेश किया गया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

डीफ फेक लोकतंत्र के लिए नया खतरा

» अश्विनी वैष्णव बोले- इससे निपटने के लिए दिसंबर में लाए जाएंगे नए नियम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज डीप फेक के मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और हितधारकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि 'डीपफेक' से निपटने के लिए हमारे पास जल्द ही नए नियम होंगे। अश्विनी वैष्णव की यह बैठक प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग पर चिंताओं और 'डीपफेक' पर नकेल कसने के लिए डिजिटल मंचों को प्रोत्साहित करने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

हाल ही में, बॉलीवुड के कई कलाकारों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित हो गए थे। वैष्णव ने यह भी बताया कि आज लिए गए निर्णयों पर अमल करने के लिए हम दिसंबर के पहले सप्ताह में अगली बैठक (हितधारकों के साथ) करेंगे।

दो निहंग सिख समूहों के बीच गोलीबारी, पुलिसकर्मी की मौत

» पंजाब में गुरुद्वारे को लेकर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में गुरुद्वारे को लेकर दो निहंग सिख समूहों के बीच हुई झड़प में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पंजाब के कपूरथला में निहंग सिखों और पुलिस के बीच झड़प में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पंजाब में गुरुद्वारे को लेकर दो निहंग सिख समूहों के बीच हुई झड़प में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई।

पंजाब के कपूरथला में निहंग सिखों और पुलिस के बीच झड़प में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि तीन

अन्य घायल हो गए। विवरण के अनुसार, यह घटना तब हुई जब लगभग तीन दर्जन निहंगों ने गुरुद्वारा अकालपुर बुंगा में प्रवेश किया और परिसर पर कब्जा करने का प्रयास किया। दो प्रतिद्वंद्वी निहंग समूहों ने गुरुद्वारे के स्वामित्व पर दावा किया है, जिससे क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया है।

दिल्ली में नहीं कम हो रहा वायु प्रदूषण

» दुनिया के टॉप 15 प्रदूषित शहरों में भारत के तीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मात्रा में कई प्रयासों के बावजूद कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं, देश के कई और शहरों की हवा भी जहरीली होती जा रही है। यहां तक की दुनिया के टॉप 15 प्रदूषित शहरों की सूची में 3 भारत के हैं। दुनिया के टॉप 15 प्रदूषित शहरों में भारत की राजधानी दिल्ली, कोलकाता और मुंबई का नाम है।

स्विस कंपनी आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग में 23 नवंबर 2023 को राजधानी दिल्ली दूसरे स्थान पर है। हालांकि, कल के मुकाबले दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है और लेकिन यह रैंकिंग में एक से अब दो नंबर पर आ गया है।

फोटो :4 पीएम

सदन नगर निगम मुख्यालय में सदन की बैठक में हिस्सा लेने पहुंची मेयर सुषमा खर्कवाल व पार्षदगण। दो दिनों तक चलने वाले सदन में बजट पर चर्चा होगी।

राजौरी में आतंकियों से फिर से मुठभेड़ शुरू

» सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजोरी। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में सेना व जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ गुरुवार सुबह एक बार फिर शुरू हो गई है। सूत्रों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, मुठभेड़स्थल पर अभी भी दो शव पड़े हुए हैं। इनमें से एक शव सुरक्षाकर्मी और आतंकी के होने का अंदेशा जताया जा रहा है। फिलहाल दोनों ओर से गोलीबारी जारी है। मौके पर दो आतंकी घिरे हुए हैं।

इससे पहले बुधवार को मुठभेड़ में दो अधिकारियों और दो जवानों सहित चार सैन्यकर्मी बलिदान हो गए और दो जवान घायल हो गए। नागरिकों को बचाते हुए सुरक्षाबलों पर अचानक आतंकियों ने हमला कर दिया था। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट

पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक बार फिर नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया है। घटना के बाद घायल जवान को एयरलिफ्ट करके रांची भेजा गया। जख्मी जवान का नाम लफिजुल रहमान बताया जा रहा है। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा-माओवादी के हार्डकोर नक्सलियों के खिलाफ जारी पुलिस के सर्च आपरेशन के दौरान यह घटना गुरुवार सुबह हुई।

असम के तिनसुकिया में सैन्य शिविर के बाहर धमाका

असम के तिनसुकिया जिले में एक सैन्य शिविर के गेट के बाहर ग्रेनेड में विस्फोट हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने शिविर के अंदर ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की लेकिन वह बाहर गिर गया और उसमें विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

चार सैन्यकर्मी बलिदान, दो जवान घायल

बुधवार सुबह 10 बजे शुरू हुई मुठभेड़ रात सात बजे तक जारी रही। अंधेरा होने के कारण नौ घंटे बाद गोलीबारी बंद कर दी गई लेकिन सुरक्षाबलों ने दोनों दहशतगर्दों को घेरा डाल रखा। बलिदान अधिकारियों की पहचान कर्नाटक के कैप्टन एमवी प्रांजल, 63 आरआर/ सिग्नल, आगरा के कैप्टन शुभम, 9-पैरा और जम्मू के पुंछ के हवलदार माजिद, 9-पैरा के रूप में हुई है। एक बलिदानी की पहचान अभी नहीं बताई गई है। 9 पैरा के मेजर मेहरा के हाथ और छाती में चोट आई है। उन्हें उधमपुर के कमांड अस्पताल में एयरलिफ्ट कर पहुंचाया गया है। वहां उनकी हालत स्थिर है। एक घायल जवान का इलाज राजोरी में 50 जनरल अस्पताल में चल रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।